

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

“स्वच्छ रेल, स्वच्छ स्टेशनकृवहीं है हमारी पहचान, स्वच्छता से ही बनेगा, सुंदर और विकसित हिंदुस्तान।”



“सफर कितना भी लंबा हो, स्वच्छता न हो कम, स्वच्छ रेल के लिए मिलकर बढ़ाई अपना कदम।”

वर्ष-36 अंक:19 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01 अक्टूबर - 15 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 12, मूल्य:20 रु. मात्र, डाक खर्च (रंगीन सहित)

रेल कनेक्टिविटी के विस्तार को रफ्तार, रेलवे ने अहम परियोजनाओं पर लगाई मुहर

नई रेल लाइन और ट्रैक दोहरीकरण से औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी,

माल परिवहन को मिलेगी गति



सूत्र/रे.स.ब्यू - भारतीय रेलवे ने रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने, यात्री और माल परिवहन को बेहतर बनाने तथा महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं खनन क्षेत्रों को मजबूत रेल कनेक्टिविटी देने की दिशा में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। महाराष्ट्र में चौक-कर्जत रेलवे खंड के दोहरीकरण से मौजूदा एकल लाइन पर अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी और ट्रेनों की आवाजाही बेहतर होगी। वहीं मुकुटबन (आदिलाबाद)-गढ़चंदूर के बीच नई रेल लाइन से यवतमाल और चंद्रपुर के औद्योगिक एवं खनन क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और माल परिवहन के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। इसके अलावा, दक्षिण पूर्व रेलवे के बारबिल-बोलानी खदान खंड के दोहरीकरण से लौह अयस्क सहित अन्य खनिजों की दुलाई की क्षमता बढ़ेगी और मालगाड़ियों की आवाजाही में होने वाली देरी को कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, दक्षिण पूर्व रेलवे के बारबिल-बोलानी खदान खंड के दोहरीकरण से लौह अयस्क सहित अन्य खनिजों की दुलाई की क्षमता बढ़ेगी और मालगाड़ियों की आवाजाही में होने वाली देरी को कम करने में मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं से रेल नेटवर्क की क्षमता विस्तार के साथ यात्री सेवाओं, माल दुलाई और औद्योगिक क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।



भारतीय रेलवे ने महाराष्ट्र में चौक-कर्जत रेलवे खंड के दोहरीकरण को 497 करोड़ रुपये की लागत की मंजूरी

रेलवे ने महाराष्ट्र में रेल क्षमता बढ़ाने और रेल संचालन में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 497 करोड़ रुपये की लागत से मध्य रेलवे के चौक-कर्जत रेलवे खंड (10.86 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से दोहरीकरण, तिहरीकरण, चौगुनीकरण, प्लाईओवर और बाईपास कार्यों के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। चौक-कर्जत खंड पनवेल-चौक-कर्जत मार्ग का हिस्सा है, जो यात्री और माल दुलाई दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण गलियारा है। इस खंड को दोहरीकरण करने से मौजूदा एकल-लाइन खंड पर अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी और ट्रेनों की आवाजाही में सुधार होगा। परियोजना पूरी होने पर, इस खंड से प्रतिदिन दोनों दिशाओं में पांच अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के चलने की उम्मीद है। इस परियोजना से प्रति वर्ष 18.35 मिलियन टन (एमटीपीए) अतिरिक्त माल दुलाई यातायात की उम्मीद है। इससे मालगाड़ियों के विलंब को कम करने में भी मदद मिलेगी।

मुकुटबन (आदिलाबाद) और गढ़चंदूर के बीच 38.21 कि.मी. लंबी नई रेल लाइन के लिए 493 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए

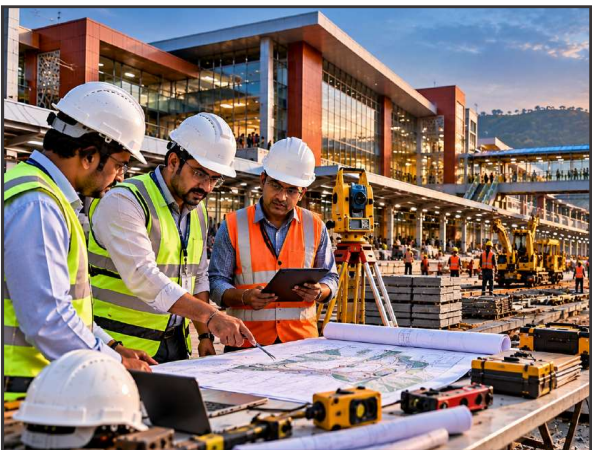
रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे के तहत मुकुटबन (आदिलाबाद) और गढ़चंदूर के बीच 38.21 किलोमीटर

लंबी नई रेल लाइन के निर्माण को 493 करोड़ की लागत से मंजूरी दी है। यह परियोजना यवतमाल और चंद्रपुर जिलों के औद्योगिक एवं खनन क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क प्रदान करेगी, जहां कई सीमेंट संयंत्र, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की कोयला खदानें और चूना पत्थर की खदानें स्थित हैं। नई रेल लाइन से यात्रा दूरी, परिवहन समय और लागत कम होने के साथ वर्धा-मानिकगढ़ खंड पर भीड़ घटाने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार, लाइन के चालू होने के बाद प्रतिदिन दोनों दिशाओं में दो-दो मेमू ट्रेनों के साथ सालाना 6.08 मीट्रिक टन माल दुलाई संभालने की उम्मीद है। इसमें कोयला और कोक, सीमेंट, स्पंज आयरन, मेटल स्कूप, लोहा एवं इस्पात, उर्वरक और खाद्यान्न शामिल होंगे।

यह लाइन कोयला एवं सीमेंट क्लस्टर को माजरी-नांदेड़ मार्ग से सीधी कनेक्टिविटी देगी, जिससे जालना, परमनी, छत्रपति संभाजीनगर तथा महाराष्ट्र और कर्नाटक के अन्य गंतव्यों तक माल परिवहन का समय कम होगा। परियोजना से बलहरशाह-नागपुर हाई-डेंसिटी नेटवर्क मार्ग पर निर्भरता भी कम होगी और यवतमाल तथा चंद्रपुर के अपेक्षाकृत कम जुड़े क्षेत्रों में रेल संपर्क मजबूत होगा।

भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे के 6 किमी लंबी बारबिल-बोलानी खदान दोहरीकरण परियोजना के लिए 122 करोड़ रुपये मंजूर किए

भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे की 6 किलोमीटर लंबी बारबिल-बोलानी खदान दोहरीकरण परियोजना को 122 करोड़ रुपये की लागत से पूरा करने की मंजूरी दी है, जिससे खनिजों की दुलाई वाले एक महत्वपूर्ण कॉरिडोर पर रेल बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। परियोजना के चालू होने के बाद इस हिस्से पर प्रति घंटे 8.9 मिलियन टन (एमटीपीए) का अतिरिक्त माल दुलाई यातायात संभव हो सकेगा। दोहरीकरण से मालगाड़ियों में होने वाली देरी को कम करने में भी मदद मिलेगी। बारबिल-बोलानी खदान खंड की पहचान भारतीय रेलवे के “ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर” के तहत की गई है। मौजूदा खंड एक सिंगल-लाइन सेक्शन है और अभी यहाँ से लगभग 9 एमटीपीए ट्रेफिक गुजरता है, जिसमें लौह अयस्क की दुलाई के लिए रोजाना लगभग 6 लोडेड रेक (मालगाड़ी के डिब्बे) शामिल हैं। यह ट्रेफिक पूरी तरह से सेल की बोलानी खदानों और प्राइवेट साइडिंग (रिंगटा, खटाऊ नरभेराम) से बड़े स्टील प्लांट और बंदरगाहों तक जाने वाले हाई-वोल्यूम अयस्क और चर्चों के लिए है। सेल की खदान के विस्तार और बंदरगाह और प्लांट की क्षमता बढ़ाने के काम के पूरी तरह से साकार होने से पहले ही इस 6 किमी के हिस्से का दोहरीकरण करने से, तय मिनरल कॉरिडोर में क्षमता की कमी को रोकने में मदद मिलेगी।



मेरठ शहर को खुर्जा और सहारनपुर से जोड़ने वाली दो मेमू सेवाओं को रेलवे की मंजूरी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल ने मेरठ शहर को उत्तर प्रदेश के खुर्जा और सहारनपुर से जोड़ने वाली दो मेमू सेवाएं शुरू करने की स्वीकृति दी है। ट्रेन नंबर 64573/64574 खुर्जा-मेरठ शहर मेमू और ट्रेन नंबर 64580/64579 सहारनपुर-मेरठ शहर मेमू के रूप में इन सेवाओं का संचालन किया जाएगा। नई मेमू सेवाओं से क्षेत्रीय रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी। ये दोनों रेलगाड़ियां मार्ग के सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

खुर्जा-मेरठ सिटी मेमू

ट्रेन नंबर 64573 खुर्जा-मेरठ सिटी मेमू खुर्जा से 13:15 बजे चलेगी और 17:20 बजे मेरठ सिटी पहुंचेगी। यह यात्रा 4 घंटे 5 मिनट में पूरा करेगी।

वापसी में, ट्रेन संख्या 64574 मेरठ सिटी-खुर्जा मेमू मेरठ सिटी से 11:25 बजे रवाना होगी और 16:00 बजे खुर्जा पहुंचेगी, जो 4 घंटे 35 मिनट में यात्रा पूरी करेगी। रास्ते में आने वाले सभी स्टेशनों पर इसके कमर्शियल स्टॉपेज होंगे, जिससे पूरे सेक्शन में यात्रियों को कनेक्टिविटी मिलेगी।

सहारनपुर-मेरठ सिटी मेमू

ट्रेन नंबर 64580 सहारनपुर-मेरठ सिटी मेमू सहारनपुर से 05:50 बजे चलेगी और 08:10 बजे मेरठ सिटी पहुंचेगी, यह यात्रा 2 घंटे 20 मिनट में पूरा करेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 64579 मेरठ सिटी-सहारनपुर मेमू मेरठ सिटी से 17:45 बजे रवाना होगी और 20:40 बजे सहारनपुर पहुंचेगी, जिसमें यात्रा का समय 2 घंटे 55 मिनट होगा। रास्ते में आने वाले सभी स्टेशनों पर इसका कमर्शियल स्टॉपेज भी होगा।

अब मथुरा तक जाएगी झांसी-आगरा कैंट एक्सप्रेस, रेलवे ने विस्तार को मंजूरी दी

राजा की मंडी, रुनकुटा, दीन दयाल धाम और बाद स्टेशनों पर वाणिज्यिक स्टॉपेज होंगे

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल ने रेलगाड़ी संख्या 11901/11902 वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी-आगरा कैंट एक्सप्रेस को मथुरा स्टेशन तक विस्तारित करने की मंजूरी दे दी है। इस विस्तार से वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी और मथुरा के बीच एक अतिरिक्त रेलगाड़ी सेवा उपलब्ध होगी, जिससे झांसी, आगरा और मथुरा के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी। स्वीकृत विस्तार के साथ, रेलगाड़ी संख्या 11901 अब वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी से मथुरा तक चलेगी, जबकि रेलगाड़ी संख्या 11902 मथुरा से शुरू होकर वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी तक वापसी यात्रा करेगी। मथुरा तक विस्तार के साथ ट्रेन की कुल यात्रा दूरी 217 किमी से बढ़कर 270 किमी हो जाएगी।

विस्तारित सेवा के तहत, रेलगाड़ी संख्या 11901 वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी से शाम 16:00 बजे प्रस्थान करेगी और मथुरा तक 23:00 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, रेलगाड़ी संख्या 11902 मथुरा से सुबह 5:05 बजे प्रस्थान करेगी और वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी दोपहर 12:50 बजे पहुंचेगी। सेवा के विस्तारित हिस्से में राजा की मंडी, रुनकुटा, दीन दयाल धाम और बाद में वाणिज्यिक स्टॉपेज होंगे, जिससे इन स्टेशनों पर यात्रियों को रेल सुविधा उपलब्ध होगी।

इस विस्तार से झांसी, आगरा और मथुरा के बीच लोगों की यात्रा सुविधा पहले से बेहतर होगी और विस्तारित मार्ग पर स्थित मध्यवर्ती स्टेशनों तक पहुंच में सुधार होगा।

वाराणसी मंडल में ट्रेनों को मिलेगा 'कवच 4.0' का सुरक्षा कवच, 614.75 किलोमीटर रेल मार्ग के लिए 223 करोड़ रुपये स्वीकृत

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने उत्तर पूर्वी रेलवे के वाराणसी मंडल के 614.75 किलोमीटर रेल मार्ग पर 223 करोड़ रुपये की लागत से 'कवच 4.0' के कार्य को मंजूरी दी है। इस परियोजना से वाराणसी मंडल के बाकी बचे हिस्सों में 'कवच 4.0' का दायरा बढ़ेगा और ट्रेन संचालन से जुड़े सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा। 'कवच' स्वदेशी रूप से विकसित ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जिसे 'सिग्नल पार्सिंग एट डेंजर' को रोकने, आवश्यकता पड़ने पर स्वचालित रूप से ब्रेक लगाने और ट्रेन संचालन की निगरानी में सहायता के लिए विकसित किया गया है। परियोजना से वाराणसी मंडल में रेल सुरक्षा बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने तथा सुरक्षित और अधिक भरोसेमंद ट्रेन संचालन में योगदान मिलने की उम्मीद है।

रेलवे से जुड़े लंबित मामलों के निपटारे और स्वच्छता को संस्थागत रूप देने के लिए विशेष अभियान 6 की तैयारियां जारी

ई-कचरा, स्क्रैप व लंबित मामलों के निपटान तथा स्थान प्रबंधन पर जोर

अभियान गतिविधियों की निगरानी और समन्वय के लिए 150 से अधिक नोडल अधिकारी नामित

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्र सरकार ने स्वच्छता को संस्थागत रूप देने और सरकारी कार्यालयों में लंबित मामलों को कम करने के लिए विशेष अभियान 6 की शुरुआत की है। यह अभियान दो चरणों में चलेगा: पहले चरण की अवधि 15 से 30 सितंबर, 2026 तक थी, जिसमें लक्ष्यों को तय किया गया। इसके बाद, मुख्य कार्यान्वयन चरण 2 से 31 अक्टूबर, 2026 तक संपन्न होगा।

पिछले अभियान 5.0 के दौरान रेल मंत्रालय ने सार्वजनिक शिकायतों, वीआईपी मामलों और अन्य लंबित मामलों के समाधान के लिए निश्चित लक्ष्यों को शत प्रतिशत पूरा कर महत्वपूर्ण प्रगति दिखाई। इस दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं 6.06 लाख वर्ग फुट स्थान का उपयोग और 570 करोड़ रुपये का राजस्व सृजन शामिल है।

रेल मंत्रालय अपने सभी क्षेत्रीय इकाइयों, संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्वायत्त निकायों में लंबित मामलों के निपटान हेतु विशेष अभियान 6 (एससीडीपीएम 6) के सफल कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह से तैयार है। रेलवे बोर्ड इस अभियान को प्रमुख प्राथमिकता देने हेतु तैयारियों की बारीकी से निगरानी कर रहा है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा जारी विस्तृत दिशानिर्देश सभी क्षेत्रीय इकाइयों को जमीनी स्तर पर कार्यक्रमियों को जुटाने, अभियान स्थलों की पहचान करने और स्थान प्रबंधन की योजना बनाने हेतु भेज दिए गए हैं। इस संबंध में रेलवे बोर्ड के सचिव द्वारा सभी महाप्रबंधकों और अन्य इकाइयों के प्रमुखों को एक पत्र भी जारी किया गया है।

सभी क्षेत्रीय रेलवे, मंडल कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), उत्पादन इकाइयों (पीयू) और केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को व्यापक स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत

निर्देश जारी किए गए हैं। भारतीय रेलवे में 150 से अधिक नोडल अधिकारियों को इस प्रयास के समन्वय हेतु नामित किया गया है। ये अधिकारी दैनिक आधार पर प्रगति संबंधी जानकारी एकत्र करेंगे और इसे रेलवे बोर्ड को भेजेंगे, जिससे बोर्ड इसे सीधे डीएआरपीजी के केंद्रीय एससीडीपीएम निगरानी पोर्टल में दर्ज कर सकेगा। इससे वास्तविक समय में निगरानी और साप्ताहिक उच्च स्तरीय समीक्षा संभव हो सकेगी।

तैयारी का चरण अब शुरू हो चुका है और प्रमुख अभियान मापदंडों के संबंध में लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। इस वर्ष के फोकस के अनुसार, ई-कचरा (प्रबंधन) नियम, 2022 के अनुसार 'ई-कचरे का प्रभावी संग्रह, पृथक्करण और निपटान', सामान्य वित्तीय नियमों (जीएफआर) के तहत स्क्रैप निपटान, कार्यालय परिसर का सौंदर्यकरण, प्रक्रिया/नियमों का सरलीकरण और लंबित मामलों का निपटान जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

रेल चौपाल (एससीडीपीएम 4.0) और अमृत संवाद (एससीडीपीएम 5.0) के सफल आयोजन के बाद, मंत्रालय एससीडीपीएम 6 के दौरान 'रेल जन संवाद' का आयोजन करेगा ताकि जन सहभागिता को और मजबूत किया जा सके और नागरिकों के साथ सार्थक संवाद को बढ़ावा दिया जा सके।

स्वच्छता को नियमित परिचालन मानक के रूप में स्थापित करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, रेल मंत्रालय जन सहयोग को और अधिक सुगम बनाने और लंबित मामलों के शीघ्र समाधान को प्राथमिकता देता रहेगा। समन्वित योजना और सभी इकाइयों की समर्पित भागीदारी के माध्यम से, मंत्रालय का उद्देश्य विशेष अभियान 6 को एक बड़ी सफलता के रूप में स्थापित करना है।

भुज-बरौनी रेल मार्ग पर नई अमृत भारत एक्सप्रेस, गुजरात से बिहार तक बनेगी नई रेल कड़ी

यह नई रेल सेवा गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ेते हुए 2,532 किलोमीटर की दूरी तय करेगी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल भुज और बरौनी के बीच सप्ताह में तीन दिन नई अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू करेगी। 2,532 किलोमीटर लंबी यह ट्रेन गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार को आपस में जोड़ेगी। नई रेल सेवा से इन चार राज्यों के महत्वपूर्ण शहरों और क्षेत्रों के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। भुज से बरौनी तक लंबी दूरी की यह सेवा यात्रियों के लिए एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराएगी। नई अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से पश्चिमी भारत और पूर्वी भारत के बीच रेल संपर्क को और विस्तार मिलेगा।

यह रेल सेवा सप्ताह में तीन दिन संचालित होगी

रेलगाड़ी संख्या 19427 भुज-बरौनी अमृत भारत एक्सप्रेस भुज से 17:30 बजे प्रस्थान करेगी और 04:05 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में, रेलगाड़ी संख्या 19428 बरौनी-भुज अमृत भारत एक्सप्रेस बरौनी से 23:55 बजे प्रस्थान करेगी और 13:15 बजे भुज पहुंचेगी।

भुज-बरौनी रेलगाड़ी सोमवार, बुधवार और शनिवार को चलेगी, जबकि बरौनी-भुज रेलगाड़ी मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को चलेगी।

प्रमुख स्टेशनों को जोड़ा जाएगा

नई रेल सेवा के मार्ग में कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर वाणिज्यिक ठहराव होगा, जिनमें समाखियाली, अहमदाबाद, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापूर सिटी, भरतपुर, मथुरा, हाथरस, बरेली, इज्जतनगर, पीलीभीत, लखीमपुर, गाँडा, गोरखपुर, सीवान, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर शामिल हैं। नई रेल सेवा देश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच रेल यात्रा का एक अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेगी और गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार करेगी।

भारतीय रेलवे ने दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्र को जोड़ा, दल्ली-राजहरा-रावघाट नई रेल लाइन के ताड़ोकी-रावघाट खंड तक रेल पटरी पहुंची

परियोजना से रायपुर और भिलाई के साथ संपर्क मजबूत होगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार और व्यापार तक पहुंच में सुधार होगा

सूत्र/रे.स.ब्यू- छत्तीसगढ़ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत दल्ली राजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना में भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। परियोजना के अंतिम चरण ताड़ोकी-रावघाट का कार्य पूरा हो गया है। यह सिंगल लाइन विद्युतीकृत ट्रॉड खंड है। इस खंड का सीआरएस निरीक्षण और गति परीक्षण किया गया।

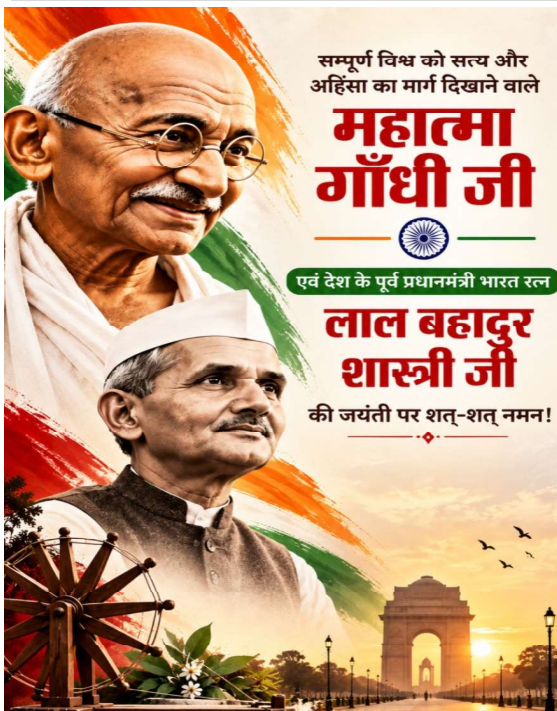
नई रेल लाइन को चालू करने की दिशा में सीआरएस का निरीक्षण और गति परीक्षण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। निरीक्षण के दौरान रेल लाइन, पुलों और पुलियों, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग तथा अन्य सुरक्षा एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की जांच की गई। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रेल खंड की परिचालन क्षमता और सुरक्षा मानकों का भी परीक्षण किया गया।

17.5 किलोमीटर लंबा ताड़ोकी-रावघाट खंड 95 किलोमीटर लंबी दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना का हिस्सा है और दक्षिण छत्तीसगढ़ के एक दूरस्थ क्षेत्र में स्थित है। वर्तमान में दल्लीराजहरा से ताड़ोकी तक रेल सेवाएं उपलब्ध हैं।

ताड़ोकी-रावघाट खंड में रेल परिचालन शुरू होने से आसपास के क्षेत्रों में रेल संपर्क मजबूत होगा और क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर एवं सुविधाजनक परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा।

यह रेल लाइन भिलाई इस्पात संयंत्र तक लौह अयस्क के परिवहन को सुगम बनाएगी, जिससे देश के इस्पात उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। यह रेल लाइन कृषि उत्पादों और स्थानीय वाणिज्यिक वस्तुओं के परिवहन में भी सहायक होगी तथा ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों को व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे इस क्षेत्र का राज्य की राजधानी रायपुर के साथ-साथ भिलाई से संपर्क भी काफी बेहतर होगा, जो राज्य का एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र है। इस प्रकार बेहतर रेल संपर्क से नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार से संबंधित अवसरों तक पहुंच बनाने में सुविधा होगी।

रेल परिवहन के विस्तार से इस क्षेत्र में पर्यटन, निवेश और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलेगी तथा क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक



साबरमती से 1,472 करोड़ रुपये के रेलवे विकास कार्यों का लोकार्पण, देश की पहली LNG ट्रेन का शुभारंभ

सूत्र/रे.स.ब्यू. केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती रेलवे स्टेशन से कुल 1,472 करोड़ रुपये की लागत वाली रेलवे विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने देश की पहली LNG ट्रेन का शुभारंभ करने के साथ रेलवे लोको इंजन के रखरखाव के लिए बनाए गए WAG-12 मॉटेन्स शेड का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। LNG ट्रेन में मौजूदा डीजल इंजन को ही बदलाव करके इस्तेमाल किया गया है, इसमें एलएनजी को डीजल के साथ मिश्रण के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, ट्रेन के दो 1,400 हॉर्सपावर वाले दो ड्राइविंग पावर कार को इस तरह बदला गया है कि वे दोनों इंजन पर चल सकें, रेलवे के मुताबिक, सिस्टम को डीजल की करीब 40% खपत को एलएनजी से बदलने के लिए तैयार किया गया है।

WAG-12 मॉटेन्स शेड और 'कवच' से मजबूत होगी रेल सुरक्षा
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि साबरमती मंडल में शुरू की गई परियोजनाएं पर्यावरण संरक्षण, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा और कनेक्टिविटी से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि साबरमती रेलवे स्टेशन में पिछले वर्षों में यात्री सुविधाओं और कनेक्टिविटी के स्तर पर व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से WAG-12 लोकोमोटिव के रखरखाव के लिए मॉटेन्स शेड तैयार किया गया है। इसके अलावा साबरमती-कलोल-साबरमती रेल खंड पर 48 करोड़ रुपये की लागत से 'कवच' प्रणाली की शुरूआत की गई है। अहमदाबाद-पालनपुर और अहमदाबाद-सामाख्यली रेल खंडों पर 'कवच' तथा साबरमती-सरखेज रेल मार्ग के दोहरीकरण सहित अन्य कार्य भी शुरू किए गए हैं।

12,000 हॉर्सपावर का WAG-12 लोकोमोटिव
श्री शाह ने कहा कि 12,000 हॉर्सपावर क्षमता वाले दिव्यन-सेक्शन WAG-12 लोकोमोटिव से संबंधित पहल भी महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, यह एकल लोकोमोटिव लगभग 600 टर्कों के बराबर माल ढुलाई क्षमता रखने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि पहले इसी प्रकार के कार्य के लिए दो लोकोमोटिव की आवश्यकता होती थी, जबकि WAG-12 के माध्यम से एक ही लोकोमोटिव



से यह कार्य किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि LNG से संचालित ट्रेन का शुभारंभ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है और आने वाले समय में इससे रेलवे के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में योगदान मिल सकता है।

डबल-स्टेक लॉन्ग-हॉल कंटेनर ट्रेन का भी उल्लेख

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि रेलवे में माल ढुलाई की क्षमता बढ़ाने के लिए नई तकनीकों और बुनियादी ढांचे पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (JNPT) से वडोदरा तक पहली डबल-स्टेक लॉन्ग-हॉल कंटेनर ट्रेन का सफल ट्रायल पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि देश में माल ढुलाई के लिए उपलब्ध रेल ट्रैक सीमित हैं। ऐसे में डबल-स्टेक मालगाड़ियों के माध्यम से वहन क्षमता बढ़ाने की

संभावना है। उन्होंने 11,000 किलोमीटर लंबे गलियारे को चार-लेन नेटवर्क में बदलने की दिशा में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया।

हाइड्रोजन ट्रेन और रेलवे आधुनिकीकरण का उल्लेख

श्री शाह ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, रैपिड रेल सिस्टम और प्रीमियम रेलवे स्टेशनों जैसी परियोजनाओं के माध्यम से भारतीय रेलवे का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उन्होंने हाल ही में शुरू की गई हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन का भी उल्लेख किया और कहा कि इसके साथ भारत उन देशों की श्रेणी में शामिल हुआ है, जिनके पास हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक है। उन्होंने रेलवे में बायो-टॉयलेट, एलएचवी कोच, विद्युतीकरण, सुरक्षा बजट और लोकोमोटिव उत्पादन से जुड़े आंकड़ों भी प्रस्तुत किए। उनके अनुसार, रेलवे सुरक्षा बजट में 67 प्रतिशत तथा लोकोमोटिव उत्पादन क्षमता में 66 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

डीजल खपत में कमी और विद्युतीकरण पर जोर

श्री अमित शाह ने रेलवे में डीजल पर निर्भरता कम होने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2015-16 में रेलवे द्वारा 293 करोड़ लीटर डीजल का उपयोग किया जाता था, जो 2024-25 में घटकर 108 करोड़ लीटर रह गया। रेलवे विद्युतीकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2010-11 में एक वर्ष में 75 किलोमीटर रेल लाइन का विद्युतीकरण किया जाता था, जबकि 2023-24 में एक वर्ष में 7,188 किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ। उन्होंने कहा कि रेलवे को 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है और शेष 0.4 प्रतिशत भी जल्द पूरा किया जाएगा।

गुजरात के रेल बजट में वृद्धि का दावा

श्री शाह ने गुजरात के रेलवे बजट में वृद्धि का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2009 से 2014 के बीच गुजरात के लिए रेल बजट 589 करोड़ रुपये था, जबकि 2026-27 में यह बढ़कर 17,366 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने रेलवे के विकास को लेकर सरकार के कार्यक्रमों की उच्च ख्याति गिनाते हुए विपक्ष पर भी राजनीतिक हमला किया। उन्होंने विपक्षी दलों से रेलवे और विकास के मुद्दे पर आंकड़ों के आधार पर चर्चा करने की बात कही और अपने संबोधन में पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल तथा भ्रष्टाचार से जुड़े आरोपों का उल्लेख किया।

सावल्यापुरम-गुंदूर के 73 RKM पर 2x25 kV ट्रेक्शन सिस्टम के लिए ₹142 करोड़ मंजूर

दक्षिण तट रेलवे के प्रमुख खंड पर कर्षण क्षमता को मजबूत करने और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए 146 टन (टीकेएम) के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है

सूत्र/रे.स.ब्यू. भारतीय रेलवे ने दक्षिण तट रेलवे के 73 किलोमीटर लंबे सावल्यापुरम-गुंदूर खंड पर इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन सिस्टम को 1.25 कैंबी से 2.25 कैंबी तक अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कुल 142 करोड़ रुपये की लागत आएगी। 146 किलोमीटर ट्रेक को कवर करने वाली यह परियोजना इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगी और बढ़ती रेलवे गतिविधियों को संभालने की क्षमता बढ़ाएगी। सावल्यापुरम-गुंदूर खंड पर विद्युत कर्षण प्रणाली का उन्नयन एचयूएन रुट 8 का हिस्सा है, जो वाको-गडग-गुंटकल-नंदाल-सावल्यापुरम-गुंदूर-विजयवाड़ा मार्ग को कवर करता है। उन्नत ट्रेक्शन सिस्टम से सावल्यापुरम-गुंदूर खंड पर इलेक्ट्रिक ट्रेनों के संचालन के लिए बिजली आपूर्ति अवसंरचना सुदृढ़ होगी, जिससे भारतीय रेलवे बढ़ती यातायात आवश्यकताओं को अधिक कुशलता से पूरा कर सकेगी। इस कदम से इस महत्वपूर्ण एचयूएन मार्ग की क्षमता और विश्वसनीयता भी बढ़ेगी, जिससे ट्रेन संचालन सुचारु होगा और क्षेत्र में समग्र रेल नेटवर्क मजबूत होगा।

राजभाषा के उत्कृष्ट प्रयोग एवं प्रगति के लिए प्रयागराज मंडल को मिला विशेष पुरस्कार

सूत्र/रे.स.ब्यू. उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, प्रयागराज को राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रगति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए वर्ष 2025-26 का विशेष पुरस्कार एवं चल वैजयंती प्रदान की गई। यह पुरस्कार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-1), प्रयागराज द्वारा प्रदान किया गया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा केंद्र सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों एवं स्वायत्त निकायों में संघ सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन, हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (नराकास) का गठन किया जाता है। प्रयागराज में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-1) का गठन मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय में किया गया है। समिति की अध्यक्षता श्रीमती मीनाक्षी सिंह, मुख्य आयकर आयुक्त द्वारा की जाती है तथा वर्तमान में समिति के 48 सदस्य कार्यालय हैं। समिति द्वारा सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक रिपोर्ट के आधार पर प्रतिवर्ष पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, प्रयागराज को वर्ष 2025-26 के दौरान राजभाषा प्रयोग में हुई प्रगति के लिए चल वैजयंती के विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उक्त पुरस्कार अध्यक्ष, नराकास (कार्यालय-1) एवं मुख्य आयकर आयुक्त, इलाहाबाद श्रीमती मीनाक्षी सिंह, द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, प्रयागराज की ओर से श्री दीपक कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी ने ग्रहण किया।

ट्रेनों की सुरक्षा होगी और मजबूत: लखनऊ मंडल में 607-7 स्ट किमी पर ₹252 करोड़ का 'कवच 4-0' प्रोजेक्ट

सूत्र/रे.स.ब्यू. स्वदेशी तकनीक के जरिए रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत भारतीय रेलवे ने उत्तर-पूर्व रेलवे के लखनऊ मंडल के 607.7 रुट किलोमीटर पर 252 करोड़ की कुल लागत से 'कवच 4.0' लगाने की मंजूरी दी है। मंजूर की गयी यह परियोजना मंडल के शेष चिन्हित हिस्सों में 'कवच 4.0' का विस्तार करेगी, जिससे रेल परिचालन के लिए सुरक्षा अवसंरचना और मजबूत होगी। यह पहल भारतीय रेलवे द्वारा अपने नेटवर्क पर 'कवच' लगाने की चल रही प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रेल सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाना और रेल परिचालन की सुरक्षा व विश्वसनीयता को बढ़ाना है।

सोलापुर खंड में रेल सुरक्षा मजबूत करने की तैयारी, 7 स्टेशनों के लिए ₹209 करोड़ का प्रोजेक्ट

सूत्र/रे.स.ब्यू. भारतीय रेलवे ने मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन के सात स्टेशनों पर 209 करोड़ रुपये की कुल लागत से इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) की व्यवस्था को मंजूरी दे दी है। स्वीकृत किए गए कार्य में हाई डेंसिटी नेटवर्क (एचडीएन) 7 रुट पर मोहो, मुधेबाही, बाले, सोलापुर, होटगी जंक्शन-होटगी ए कोबिन, शाहबाद और वाडी जंक्शन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की व्यवस्था करना शामिल है। यहां कवच, ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) और केंद्रीत यातायात नियंत्रण (सीटीसी) कार्यों को मंजूरी दी गई है। आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली से पूरे खंड में रेलवे सिग्नलिंग बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच के कार्यान्वयन में सुविधा होगी।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग एक आधुनिक कंप्यूटर-आधारित सिग्नलिंग प्रणाली है जो पारंपरिक रिले-आधारित इंटरलॉकिंग का स्थान लेती है। यह पॉइंट्स और सिग्नलों का अधिक विश्वसनीय नियंत्रण प्रदान करती है, त्रुटियों का तेजी से पता लगाने और उन्हें ठीक करने में सक्षम बनाती है, रखरखाव को आसान बनाती है और अधिक कुशल ट्रेन संचालन में सहायक होती है। यह परियोजना भारतीय रेलवे द्वारा सिग्नलिंग बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने और उच्च घनत्व वाले मार्गों पर परिचालन दक्षता में सुधार करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

दिल्ली मंडल द्वारा दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक उपाय

सूत्र/रे.स.ब्यू. भारतीय रेल द्वारा जल अवसंरचना को सुदृढ़ करने एवं सुरक्षा प्रबंधन के संबंध में जारी निर्देशों के अनुरूप, उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन एवं आनंद विहार टर्मिनल पर जलापूर्ति प्रणालियों के व्यापक उन्नयन के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इन तीनों स्टेशनों पर प्रतिदिन लगभग 6.5 लाख गैलनों का आवागमन होता है। इस पहल का उद्देश्य केवल अंतिम स्तर पर जल की गुणवत्ता की जांच तक सीमित न रहकर यात्रियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं स्वच्छतापूर्ण पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जल भंडारण टैंकों एवं फिल्ट्रेशन टैंकों की व्यापक सफाई के साथ-साथ आवश्यक अवसंरचना उन्नयन कार्य किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि सभी जल भंडारण टैंकों पर उचित ढक्कन एवं सुरक्षित वेंट लगाए जाएं, ताकि बाहरी श्रोतों से होने वाले किसी भी प्रकार के प्रदूषण को रोक जा सके। किसी भी प्रकार के रिसाव का पता लगाने के लिए संपूर्ण जल वितरण नेटवर्क का नियमित

निरीक्षण किया जा रहा है। क्षतिग्रस्त पाइपों, नलों एवं वाल्वों की तत्काल मरम्मत अथवा आवश्यकता के अनुसार उन्हें बदला जा रहा है, ताकि जल की बर्बादी को न्यूनतम किया जा सके। पेयजल आपूर्ति प्रणाली तथा गैर-पेयजल उपयोग की लाइनों के बीच पूर्ण पृथक्करण भी सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार के क्रॉस-कॉन्टैमिनेशन (आपसी संदूषण) की संभावना समाप्त की जा सके।

स्टेशन परिसर में वाटर कूलर्स एवं वॉटर वॉर्निंग मशीनों (WVMs) से जुड़े RO शुद्धिकरण संयंत्रों में लगाए गए फिल्टर कैण्डल/कार्ट्रिज की नियमित सर्विसिंग, ओवरहॉलिंग तथा आवश्यकता के अनुसार उनका प्रतिस्थापन किया जा रहा है। जल कूलर्स एवं यात्रियों के लिए जल वितरण केंद्रों के आसपास अनिवार्य स्वच्छता एवं रखरखाव अभियान भी चलाए जा रहे हैं, ताकि आसपास के क्षेत्रों में उच्च स्तर की स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके। रेलवे के चिकित्सा कर्मियों एवं इंजीनियरिंग टीमों द्वारा नियमित रूप से जल की गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा की समस्या को रोकने के लिए गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट (एस.आर.एम.) चेक किया गया।

सूत्र/रे.स.ब्यू. उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल, बिना टिकट यात्रा और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश को रोकने के प्रयासों के तहत नियमित रूप से टिकट चेकिंग अभियान चलाता है। इन अभियानों के परिणामस्वरूप कई लोगों को बिना टिकट पकड़ा गया और जुर्माना वसूला गया है। ये अभियान टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा चलाए जाते हैं, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्री वैध टिकट के साथ यात्रा करें और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश को रोक जा सके। बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री न केवल रेलवे के राजस्व को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि वैध टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों के अधिकारों का भी उल्लंघन करते हैं। दिनांक 25.09.2026 को बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों का

पता लगाने और उन पर जुर्माना लगाने के लिए गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर एस.आर.एम. चेक किया गया। चेकिंग के दौरान, बिना टिकट यात्रा करने वाले कुल 187 मामले (70 एस.आर.एम. सहित) पकड़े गए और 1,61,670/- रुपये का रेलवे राजस्व वसूला गया। उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल बिना टिकट यात्रियों और टिकट वाले क्षेत्रों में अनाधिकृत व्यक्तियों पर रोक लगाने के लिए विभिन्न टिकट चेकिंग अभियान चला रहा है। दिल्ली के मंडल रेल प्रबंधक श्री पुष्पेश रमण त्रिपाठी ने वैध टिकट के साथ यात्रा करने के महत्व पर जोर दिया और यात्रियों से टिकट चेकिंग स्टाफ का सहयोग करने का आग्रह किया।

मध्य रेल ने अप्रैल-अगस्त 2026 में बिना टिकट यात्रा के 18.03 लाख मामले पकड़े, ₹140.81 करोड़ जुर्माना वसूला

सूत्र/रे.स.ब्यू. मध्य रेल ने अप्रैल से अगस्त 2026 के दौरान बिना टिकट, अनुचित या आमन्य यात्रा अधिकार के साथ यात्रा करने वाले 18.03 लाख यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 140.81 करोड़ का जुर्माना वसूला। पिछले वर्ष की समान अवधि में 17.19 लाख मामले दर्ज हुए थे और 100.50 करोड़ की वसूली हुई थी। इस अवधि में मामलों की संख्या में लगभग 5 प्रतिशत, जबकि जुर्माना वसूली में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।

मंडलवार आंकड़ों के अनुसार, मुंबई मंडल में 8.80 लाख मामलों से 58.46 करोड़, भुसावल मंडल में 3.42 लाख मामलों से 35.52 करोड़, पुणे मंडल में 1.86 लाख मामलों से 16.29 करोड़, नागपुर मंडल में 2.11 लाख मामलों से 15.83 करोड़, सोलापुर मंडल में 0.95 लाख मामलों से 6.13 करोड़ और मुख्यालय स्तर पर 0.88 लाख मामलों से 8.57 करोड़ का जुर्माना वसूला गया।

अगस्त 2026 में भी टिकट जांच अभियान जारी रहा। इस दौरान 2.57 लाख यात्रियों को बिना टिकट या वैध टिकट के यात्रा करते पकड़ा गया और 19.50 करोड़ का जुर्माना वसूला गया। अप्रैल 2025 में 2.76 लाख मामले और 13.78 करोड़ की वसूली हुई थी, जिससे जुर्माना राशि में 41 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

बिना टिकट यात्रा रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय है। न्यूनतम जुर्माना 250 से बढ़ाकर 500 किए जाने के बाद मध्य रेल ने स्टेशन, एम्बुश, फोर्ट्स, गहन और मेगा टिकट जांच अभियानों सहित विभिन्न जांच अभियान तेज किए हैं। ये अभियान मेल/एक्सप्रेस, यात्री और विशेष ट्रेनों के साथ-साथ मुंबई और पुणे मंडलों की उपनगरीय ट्रेनों में भी चलाए जा रहे हैं। मध्य रेल ने यात्रियों से उचित और वैध टिकट लेकर यात्रा करने की अपील की है।

पश्चिम रेलवे द्वारा सूरत एवं उदयपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत

सूत्र/रे.स.ब्यू. पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा गुजरत एवं राजस्थान के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सूरत एवं उदयपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू करने का निर्णय लिया गया है। भारतीय रेल द्वारा सूरत उदयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत आधुनिक, सैमी हाई-स्पीड, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा की सुविधा प्रदान करने के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई यह अत्याधुनिक ट्रेनसेट बेहतर यात्री सुविधाओं, उन्नत सुरक्षा विशेषताओं तथा तेज गति से त्वरण जैसी सुविधाओं से सुसज्जित है, जो विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ दोनों प्रमुख शहरों के बीच यात्रा समय को काफी कम करेगी तथा यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करेगी।

ट्रेन संख्या 26903/26904 सूरत-उदयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस:

ट्रेन संख्या 26903 सूरत उदयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को सूरत से 06:10 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 13:40 बजे उदयपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 04 अक्टूबर, 2026 से चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 26904 उदयपुर सूरत वंदे भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को उदयपुर से 15:35 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 23:00 बजे सूरत पहुंचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर, 2026 से चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भरूच, वडोदरा, आणंद, मणिगढ़, असारवा, हिममतनगर, शामलाजी रोड, झंझारपुर एवं जावर स्टेशनों पर ठहरेगी।

त्योहारों के मौसम में हाई-टेक सिटी स्टेशन पर 10 ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

सूत्र/रे.स.ब्यू. रेलवे ने त्योहारों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक हाई-टेक सिटी स्टेशन पर 10 ट्रेनों को अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य लिंगमपल्ली और सिर्फंदराबाद स्टेशनों पर अतिरिक्त भीड़ को संभालना और यात्रियों की सुविधा बढ़ाना है। हाई-टेक सिटी स्टेशन पर ठहराव पाने वाली ट्रेनों में सिर्फंदराबाद-राजकोट (22718), राजकोट-सिर्फंदराबाद (22717), सिर्फंदराबाद-पोरबंदर (20967), पोरबंदर-सिर्फंदराबाद (20968), तिरुपति-सिर्फंदराबाद (12731), सिर्फंदराबाद-तिरुपति (12732), हैदराबाद-सीएसटी मुंबई (12702), सीएसटी मुंबई-हैदराबाद (12701), पुणे-हैदराबाद (12025) और हैदराबाद-पुणे (12026) शामिल हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, सिर्फंदराबाद या हैदराबाद से इन ट्रेनों में यात्रा के लिए पहले से बुकिंग करा चुके यात्री निर्धारित अवधि के दौरान हाई-टेक सिटी स्टेशन से ट्रेन में सवार हो सकते हैं। इसके लिए उन्हें लागू नियमों के अनुसार ऑनलाइन या कार्टर के माध्यम से अपना बोर्डिंग पॉइंट हाई-टेक सिटी में बदलना होगा। इस बदलाव के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने किया चांदखेड़ा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

सूत्र/रे.स.ब्यू. मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश द्वारा चांदखेड़ा रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, परिचालन व्यवस्थाओं, साफ-सफाई और स्टेशन परिसर की समग्र व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्री सुविधाओं और सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने तथा सभी विकास कार्यों को समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रेलवे प्रशासन का यह प्रयास यात्रियों के लिए यात्रा अनुभव को और अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाना है।

रेल की हर अपडेट अब आपके मोबाइल पर

बस स्कैन करें यह कोड



रेल समाचार ब्यूरो की वेबसाइट पर खबरें पढ़ने के लिए अभी स्कैन करें

हैदराबाद मंडल को रेल पार्सल ऐप के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार मिला

सूत्र/रे.स.ब्यू. हैदराबाद मंडल के वाणिज्यिक विभाग ने 'रेल पार्सल ऐप' शुरू किया, जिससे डिजिटलाइजेशन, सुविधा और पारदर्शिता के माध्यम से पार्सल सेवाओं में बदलाव आया है।

दक्षिण मध्य रेलवे को ई-गवर्नेंस कोटि में इंटीग्रेटेड 'रेल पार्सल ऐप' विकसित करने के लिए प्रतिष्ठित स्कॉचपुरस्कार, 2026 से सम्मानित किया गया है, यह पुरस्कार दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल के वाणिज्यिक विभाग द्वारा डिजिटलाइजेशन, सुविधा और पारदर्शिता के माध्यम से रेलवे पार्सल सेवाओं की लाजिस्टिक्स को बदलने के प्रयासों के सम्मान में दिया गया। पुरस्कार 26 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेड सेंटर में



दमरे की प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक और हैदराबाद मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक श्रीमती इति पांडे ने प्राप्त किया।

स्कॉचपुरस्कार, जिसे 2003 में स्कॉच ग्रुप ने शुरू किया था, देश के प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है और इसे एक स्वतंत्र संस्था देती है, यह पुरस्कार किसी भी व्यक्ति, कॉर्पोरेट संस्था या सरकारी संस्था के उन असाधारण प्रयासों को मान्यता देता है जो डिजिटल, वित्तीय, सामाजिक समावेशन, शासन, प्रौद्योगिकी और आर्थिक बदलाव के क्षेत्र में बेहतरी के लिए विशेष कार्य करते हैं। इसकी प्रक्रिया और मूल्यांकन में कई महीने लगते हैं और विशेषज्ञ व जूरी सदस्य हर परिचयना का गहन मूल्यांकन करने में घंटों और दिनों का समय लगाते हैं।

रेल पार्सल एप्लिकेशन पारंपरिक स्टेशन-केंद्रित पार्सल प्रक्रिया को एंड-टू-एंड डिजिटल लाजिस्टिक्स मार्केट प्लेस में बदल देता है, यह 'फुल्ट टाइम' डोरस्टेप पिकअप, भारतीय रेल नेटवर्क की 'मिड

माइल' क्षमता और अधिकृत लाजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर्स के माध्यम से 'लास्ट माइल' डोरस्टेप डिलीवरी को एक साथ लाता है, यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों को कीमत, कार्यक्षमता और रेटिंग जैसे आधारों पर लाजिस्टिक्स सेवाओं को देखने और चुनने की सुविधा देता है, जिससे रेल पार्सल ग्राहकों को अधिक सुविधा, पारदर्शिता और विकल्प मिलते हैं। रेल पार्सल ऐप की यह पहल तकनीकी का उपयोग करके ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने के रेलवे के संकल्प को दिखाती है, इसका मुख्य उद्देश्य रेल पार्सल सेवाओं को आसान, अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाना है, साथ ही एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना है जो भारतीय रेल पर पार्सल ट्रैफिक की बढ़ोतरी में मदद कर सके, दक्षिण मध्य रेलवे के वाणिज्य विभाग की लगातार कोशिशों के नतीजे में रेल पार्सल ऐप को प्रतिष्ठित स्कॉचपुरस्कार 2026 मिला है।

दिल्ली जं. रेलवे स्टेशन पर "स्टेशन महोत्सव" का आयोजन, समृद्ध विरासत और विकास यात्रा से रूबरू हुए यात्री

सूत्र/रे.स.ब्यू. यात्रियों को भारतीय रेल की समृद्ध विरासत, विकास यात्रा एवं यात्री-केंद्रित सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से दिल्ली जं. (पुरानी दिल्ली) रेलवे स्टेशन पर "स्टेशन महोत्सव" का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में बड़ी संख्या में यात्रियों, स्थानीय निवासियों, विद्यार्थियों और रेलवे कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। महोत्सव के तहत स्टेशन परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें भारतीय

रेल के इतिहास को दर्शाने वाली एक विशेष प्रदर्शनी और नुकड़ नाटक मुख्य आकर्षण रहे, जिनके माध्यम से रेलवे के योगदान को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही, रेलवे के प्रति समर्पित सेवा देने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली जं. रेलवे स्टेशन के ऐतिहासिक महत्व और गौरवशाली सफर को दर्शाने वाली एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा।

अतिरिक्त सदस्य (वाणिज्य) श्री दीपक कुमार झा ने वाराणसी जं. और काशी रेलवे स्टेशनों का किया निरीक्षण, विकास कार्यों का लिया ज्ञायजा

सूत्र/रे.स.ब्यू. भारतीय रेल द्वारा स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन और बुनियादी ढाँचे के विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में रेलवे प्रशासन लगातार उच्च अधिकारियों के माध्यम से चल रहे विकास कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहा है ताकि यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा सकें। इसी क्रम में, अतिरिक्त सदस्य (वाणिज्य) रेलवे बोर्ड, श्री दीपक कुमार झा ने दिनांक 23 सितंबर, 2026 को वाराणसी जं. एवं काशी रेलवे स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों

स्टेशनों पर उपलब्ध विभिन्न यात्री सुविधाओं, प्रथम एवं द्वितीय प्रवेश द्वार, रोपवे भवन तथा स्टेशन परिसर में चल रहे एवं प्रस्तावित विकास कार्यों का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा चल रहे निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में पूरा करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इज्जतनगर मंडल में 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' थीम पर सतर्कता जागरूकता सेमिनार आयोजित, पारदर्शिता पर दिया गया जोर

सूत्र/रे.स.ब्यू. भारतीय रेल द्वारा कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और उच्च नैतिक मानकों को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी दिशा में, इज्जतनगर मंडल में 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' थीम पर एक विशेष सतर्कता जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के दौरान सतर्कता अधिकारियों ने टेंडर प्रक्रिया, खरीद और नियमों

के अनुपालन में पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपा सिन्हा ने सत्यनिष्ठा को कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बताते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

आरेडिका में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू. आरेडिका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन दिनांक 28.09.2026 को किया गया। बैठक महाप्रबंधक आरेडिका रामनकुण्ठन की अध्यक्षता एवं सदस्य के रूप में उपस्थित विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में गत तिमाही सम्पन्न राजभाषा संबंधी गतिविधियों, राजभाषा प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा एवं आगामी तिमाही के प्रस्तावित कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा विभाग द्वारा कराये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की और राजभाषा समर्थन के लिए राजभाषा संबंधी आगामी गतिविधियों के सफल आयोजन की विधिवत तैयारी के निर्देश दिए। मुख्य राजभाषा अधिकारी आंकार शरण सिंह ने बताया कि आगामी 30 सितंबर को हिंदी पखवाड़े के समापन अवसर पर सांस्कृतिक संध्या, कवि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

बेवजह रोकोगे रेल... तो जाओगे जेल



बिना किसी उचित कारण के इस चेन को खींचने से आपके सहयात्रियों, खास कर वे यात्री जो इलाज, रोज़गार या किसी अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य से यात्रा कर रहे हैं, उन्हें असुविधा हो सकती है।



याद रखें!

बिना किसी उपयुक्त कारण चेन खींचना भारतीय रेल अधिनियम, 1989 की धारा 141 के अंतर्गत एक दण्डनीय अपराध है, जिसकी सजा एक साल तक की कैद या ₹1000 / – तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।



उत्तर रेलवे

निरंतर राष्ट्र की सेवा में

हमसे : www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



रेल बढ़े, देश बढ़े

हमें फॉलो करें:     /RailMinIndia

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिल्ली में दिया स्वच्छता का संदेश स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर श्रमदान, शपथ और पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित



सूत्र/रे.स.ब्यू. भारतीय रेलवे द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 का आयोजन किया गया। अभियान के तहत दिल्ली के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने श्रमदान, स्वच्छता शपथ और पौधरोपण जैसी गतिविधियों में भाग लेकर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडेय और वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ राष्ट्रव्यापी श्रमदान अभियान की शुरुआत की। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रेनिंग एवं रोलिंग स्टॉक) श्री आर. राजगोपाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ श्रमदान किया।

आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर सदस्य (ऑपरेशंस एवं बिजनेस डेवलपमेंट) डॉ. मनोज सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ श्रमदान गतिविधि में हिस्सा लिया। सफ़दरजंग रेलवे स्टेशन पर सदस्य (वित्त) श्रीमती मंजूषा जैन ने वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ स्वच्छता अभियान में भागीदारी की। दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) श्री विवेक कुमार गुप्ता ने वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ श्रमदान में भाग लिया।

दिल्ली जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रेलवे बोर्ड की महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सुश्री सोनाली मिश्रा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। सरोजिनी नगर रेलवे स्टेशन पर महानिदेशक (आरएचएस) डॉ. के. कृष्ण कुमार की उपस्थिति में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता शपथ के बाद श्रमदान और पौधरोपण गतिविधियां हुईं। इन सामूहिक प्रयासों के जरिए रेलवे परिसरों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।





स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा- 2026 के तहत मुख्यालय सूबेदारगंज में वृहद पौध वितरण अभियान चलाया गया

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2026' का आयोजन किया गया। यह पखवाड़ा दिनांक 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक उत्तर मध्य रेलवे के सभी मण्डलों, कारखानों, सुनिर्माण एवं कार्यालयों में आयोजित किया गया। इसी क्रम में दिनांक 29.09.26 को महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय में 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2026' के अंतर्गत वृहद पौध वितरण अभियान आयोजित किया गया। इस आयोजन में श्री अनिल कुमार द्विवेदी, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर की ओर से महाप्रबंधक महोदय का स्वागत किया गया। इसके उपरान्त श्री द्विवेदी द्वारा वृक्षारोपण के बारे में बताया गया और कर्मचारियों को जागरूक किया गया।

इसके पश्चात महाप्रबंधक महोदय द्वारा एक पेड़ में के नाम के तहत वृक्षारोपण की बात बताई गयी और उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को एक एक पौधा दे कर एक पेड़ में के नाम कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। इसके पश्चात मुख्यालय उत्तर मध्य रेलवे के कर्मचारियों को 600 पौधे बांटे गए जिससे की वे उन्हें 02 अक्टूबर को 'एक पेड़ में के नाम' कार्यक्रम के तहत अपने घरों में लगा सकें।



दिव्यांग रेलकर्मियों के लिए सराहनीय पहल: गोरखपुर मुख्यालय में बांटी गई स्कूटी, आवागमन होगा आसान



सूत्र/रे.स.ब्यू- कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देते हुए पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा विभिन्न स्तरों पर कर्मिकों की सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए, मुख्यालय स्तर पर कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्मचारी कल्याण निधि के अंतर्गत कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर मुख्यालय में एक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक श्री उदय बोरचणकर एवं रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (मानव संसाधन) श्री प्रवास पी. पांडे ने संयुक्त रूप से मुख्यालय के 08 दिव्यांग रेलकर्मियों को स्कूटी वितरित की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग कर्मचारियों के दैनिक आवागमन को सुगम बनाना और उन्हें कार्यस्थल तक पहुंचने में होने वाली कठिनाइयों को कम करना है। इस सहायता से कर्मचारियों को अपने कार्यालय आने-जाने में सहूलियत मिलेगी, जिससे वे अपने रोजमर्रा के दायित्वों का निर्वहन अधिक सुगमता से कर सकेंगे।

श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव ने पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का कार्यभार ग्रहण किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा (IRSE) के 1993 बैच के अधिकारी श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव ने 22 सितम्बर, 2026 को पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्री श्रीवास्तव एक वरिष्ठ रेल अधिकारी हैं, जिन्हें रेलवे इंजीनियरिंग, निर्माण, परियोजना क्रियान्वयन और प्रशासन सहित रेल कामकाज के विभिन्न पहलुओं में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव प्राप्त है। अपने उत्कृष्ट कैरियर के दौरान, श्री श्रीवास्तव ने भारतीय रेल में कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। इनके पास पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्य करने का अनुभव है। इसके बाद, इन्होंने प्रयागराज में उत्तर मध्य रेलवे में मुख्य इंजीनियर/ सामान्य, मुख्य परियोजना निदेशक और हाल ही में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक सहित कई महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया है। श्री श्रीवास्तव जनवरी 1995 में भारतीय रेल में शामिल हुए थे। आपने बी.ई. तथा एम. टेक. की डिग्रियां प्राप्त की हैं और इनको रेलवे इंजीनियरिंग का व्यापक अनुभव प्राप्त है। पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के रूप में श्री श्रीवास्तव पश्चिम रेलवे के निर्माण विभाग के प्रमुख होंगे और पूरे जून में चलाई जा रही विभिन्न आधारभूत संरचनाओं तथा क्षमता संवर्धन कार्यों को योजना एवं क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे।



प्रयागराज-तिरुचानूर सुपरफास्ट त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए प्रयागराज-तिरुचानूर सुपरफास्ट त्योहार विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.- 04109 प्रयागराज-तिरुचानूर गाड़ी सं.- 04110 तिरुचानूर-प्रयागराज				
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	05:20 (शनि)	प्रयागराज	10:35 (मंगल)	----
07:35	07:37	मानिकपुर	08:28	08:30
08:20	08:25	सतना	07:10	07:15
09:58	10:00	कटनी	06:15	06:20
10:45	10:55	जबलपुर	04:55	05:05
15:30	15:40	इटारसी	00:50 (मंगल)	01:00
21:05	21:10	नागपुर	19:35	19:40
23:56	23:59	चंद्रपुर	16:25	16:27
00:30 (रवि)	00:40	बल्हारशाह	15:50	16:00
01:20	01:22	सिरपुर कागजनगर	14:57	14:59
04:30	04:35	वरंगल	11:28	11:30
06:00	06:02	खम्मम	09:54	09:56
08:30	08:40	विजयवाड़ा	07:10	07:20
11:13	11:15	ओंगोल	01:58	02:00
12:48	12:50	नेल्लूर	02:28	02:30
15:10	15:20	रेणिगुंटा	00:05 (सोम)	00:15
16:10 (रवि)	----	तिरुचानूर	----	23:55 (रवि)

प्रयागराज से:- गाड़ी संख्या 04109, प्रत्येक शनिवार, दिनांक 03.10.2026 से 28.11.2026 तक। **तिरुचानूर से:-** गाड़ी संख्या 04110, प्रत्येक रविवार, दिनांक 04.10.2026 से 29.11.2026 तक। **गाड़ी संरचना:-** सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर- 08 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05

उपरोक्त के अतिरिक्त गाड़ी संख्या 04121/04122 प्रयागराज-चर्लपल्ली को पूर्व में अमृत भारत सुपरफास्ट के रूप में सूचित किया गया था अब इसे गाड़ी संख्या 04121/04122 प्रयागराज-चर्लपल्ली सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी के रूप में पढ़ा जाय। साथ ही यह विशेष रेलगाड़ी अमृत भारत रैक से चलाई जायेगी।

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने आयुर्वेदिक आरोग्यशाला का किया उद्घाटन

निर्माणधीन रेलवे हॉस्पिटल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

सूत्र/रे.स.ब्यू. उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, श्री नरेश पाल सिंह ने दिनांक 25 सितंबर 2026 को प्रयागराज में नवनिर्मित आयुर्वेदिक आरोग्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, श्री मुदित चंद्रा प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर, श्री जे.सी.एस. बोरा, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक, श्रीमती गोपा मजूमदार, मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल, उप महाप्रबंधक (सामान्य), श्री अतुल कुमार मिश्रा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य), श्री दीपक कुमार, वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, श्री वैभव कुमार गुप्ता सहित चिकित्सा विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्घाटन अवसर पर महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उत्तर मध्य रेलवे की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारतीय चिकित्सा परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है और इसके माध्यम से प्राकृतिक एवं समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के विस्तार से कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में सहायता मिलेगी।

नवनिर्मित आयुर्वेदिक आरोग्यशाला में आयुर्वेद आधारित उपचार, स्वास्थ्य परामर्श एवं विभिन्न रोगों के उपचार से संबंधित चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके माध्यम से रेलवे कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह एवं उपचार की सुविधा मिलेगी। साथ ही, लोगों को संतुलित जीवनशैली, नियमित दिनचर्या तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत महाप्रबंधक ने निर्माणधीन रेलवे हॉस्पिटल का निरीक्षण कर वहां चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भवन निर्माण, चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था, मरीजों के लिए प्रस्तावित सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन करते हुए कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने कहा कि अस्पताल का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए, ताकि भविष्य में मरीजों एवं उनके परिजनों को आधुनिक एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए।

मेट्रो रेलवे में राजभाषा सप्ताह-2026 समापन समारोह

सूत्र/रे.स.ब्यू. मेट्रो रेलवे, कोलकाता में महाप्रबंधक श्री प्रेम सागर गुप्ता की अध्यक्षता में राजभाषा सप्ताह-2026 समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसके साथ ही दिनांक 14.09.2026 से 23.09.2026 तक आयोजित राजभाषा सप्ताह-2026 का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय ने उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी को केवल हिंदी दिवस, हिंदी सप्ताह या पखवाड़ा जैसे आयोजनों तक ही सीमित न रखा जाए अपितु इसे रोजमर्रा के कार्यव्यवहार में भी अपनाने के सार्थक प्रयास हों। इस मौके पर प्रधान मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर सह मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री पंकज मिश्री ने राजभाषा कार्यान्वयन को एक संवैधानिक जिम्मेदारी बताते हुए इसे रेलवे संचालन एवं जन-सेवा का एक प्रमुख माध्यम बताया।

राजभाषा सप्ताह के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कहानी एवं सुलेख लेखन, एकल अभिनय, प्रश्नमंच, कविता पाठ एवं टंकण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की कड़ी में राजभाषा सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार देने के क्रम में सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को राजभाषा में निरंतर कार्य करते हुए अन्य सहकर्मियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनने की अपील की गई।

हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर)-हावड़ा साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन

सूत्र/रे.स.ब्यू. रेलवे द्वारा आगामी त्योहारों के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर)-हावड़ा साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार, गाड़ी संख्या 03007, हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर) साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 11.10.2026 से 29.11.2026 तक (08 टिप) हावड़ा से प्रत्येक रविवार को 23.55 बजे रवाना होकर मंगलवार को 11.30 बजे खातीपुरा पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 03008, खातीपुरा (जयपुर)-हावड़ा साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 13.10.2026 से 01.12.2026 तक (08 टिप) खातीपुरा से प्रत्येक मंगलवार को 18.30 बजे रवाना होकर गुरुवार को 05.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में बर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर, न्यू गिरिडीह, जमुआ, कोडरमा, गया, अनुग्रह नागयण रोड, डेहरी ऑनसोल, सासाराम, भुआ रोड, पं. दीनदयाल उपाध्याय, सुबेदारगंज, गोविन्दपुरी, इटावा, फतेहाबाद, आगरा कैंट, भरतपुर, बांदीकुई एवं दोसा स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 04 थर्ड एसी, 10 द्वितीय शयनयान, 06 साधारण श्रेणी एवं 02 गाड़ी डिब्बों सहित कुल 22 डिब्बे होंगे।

रेलवे की शूटर सोनम उत्तम मस्कर ने एशियाई खेल 2026 में भारत के लिए जीता रजत पदक

महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में सोनम ने भारत की ओर से किया सर्वाधिक स्कोर



सूत्र/रे.स.ब्यू. रेलवे की शूटर सुश्री सोनम उत्तम मस्कर ने एशियाई खेल 2026 में महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भारत के लिए रजत पदक जीतकर देश और पश्चिम रेलवे को गौरवान्वित किया है। भारतीय टीम ने 1898.0 अंकों के संयुक्त स्कोर के साथ इस स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। रेलवे के चर्चगेट स्थित मुख्यालय कार्यालय में कार्यरत सुश्री मस्कर ने टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.1 अंक हासिल किए, जो भारतीय टीम के सदस्यों में सर्वाधिक स्कोर रहा। उनके इस शानदार प्रदर्शन ने भारत को इस स्पर्धा में रजत पदक

दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सुश्री मस्कर ने महिला 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत फाइनल में भी अपनी छाप छोड़ी और शानदार प्रदर्शन किया। एशियाई खेल 2026 में सुश्री मस्कर की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर पश्चिम रेलवे को गर्व है। पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ ने उनके सराहनीय प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी है तथा आगामी स्पर्धाओं और प्रतियोगिताओं में उनकी निरंतर सफलता की कामना की है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के खिलाड़ी यशवीर सिंह ने एशियन गेम्स में जीता रजत पदक

जैवलिन श्रो प्रतियोगिता में 85.71 मीटर के शानदार श्रो से भारत का नाम किया रोशन

सूत्र/रे.स.ब्यू. उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रतिभावाן खिलाड़ी श्री यशवीर सिंह को 20वें एशियन गेम्स, आइची-नागोया 2026, जापान में पुरुष जैवलिन श्रो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने पर उत्तर पश्चिम रेलवे ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। यशवीर सिंह की उपलब्धि ने भारत, भारतीय रेलवे एवं उत्तर पश्चिम रेलवे को गौरवान्वित किया है। यशवीर सिंह ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में 85.71 मीटर की शानदार दूरी तक जैवलिन श्रो कर रजत पदक अपने नाम किया और देश



के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत के साथ-साथ भारतीय रेलवे एवं उत्तर पश्चिम रेलवे का भी गौरव बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि यशवीर सिंह ने इसी वर्ष कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो 2026 में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया था। इस प्रकार वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया है।

भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने 20वें एशियाई खेल, 2026 में स्वर्ण पदक जीते

सूत्र/रे.स.ब्यू. जापान के आइची-नागोया में आयोजित 20वें एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने स्वर्ण पदक जीते, दक्षिण मध्य रेलवे के दो कबड्डी खिलाड़ी, सुश्री रितु नेगी और सुश्री पिंकी रांय, उस भारतीय महिला कबड्डी टीम का हिस्सा है जिन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लिया था। भारतीय महिला कबड्डी टीम की कोच सुश्री नीता दादवे भी दक्षिण मध्य रेलवे में कार्य करती हैं। इसके अलावा, श्री सुमित सांगवान और श्री अयान लोहचव भी उस भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का हिस्से थे जिन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लिया था।

सुश्री रितु नेगी, वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक, इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुड़ा के कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं, जबकि सुश्री पिंकी रांय मुख्य कारखाना प्रबंधक, सिगनल व दूरसंचार कारखाना, मेट्टुगुड़ा कार्यालय में वरिष्ठ तकनीशियन के रूप में कार्यरत हैं। भारतीय कबड्डी टीम की कोच सुश्री नीता दादवे प्रधान मुख्य वॉरिंट इंजीनियर के कार्यालय में मुख्य कार्यालय अधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। पुरुष टीमों में श्री अयान लोहचव, प्रो. वाणिज्य सह टिकट क्लर्क/वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक

कार्यालय, सिकंदराबाद और श्री सुमित सांगवान, वाणिज्यिक सह टिकट क्लर्क/वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, सिकंदराबाद में कार्यरत हैं।

प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में दमरे के खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धि दक्षिण मध्य रेलवे और भारतीय रेलवे के लिए बहुत गर्व का विषय है, उनकी सफलता, खेलों को बढ़ावा देने और कर्मचारियों को उनके संबंधित खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करने की दक्षिण मध्य रेलवे के लगातार प्रयासों को भी दर्शाती है।

श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/दमरे ने सुश्री रितु नेगी, सुश्री पिंकी रांय, सुश्री नीता दादवे, श्री सुमित सांगवान और श्री अयान लोहचव को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी, उन्होंने भारतीय कबड्डी टीमों में उनके योगदान और भारतीय रेलवे व दक्षिण मध्य रेलवे का नाम रोशन करने के लिए उनकी सराहना की, उन्होंने खिलाड़ियों के भविष्य के खेल प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना की।

बरेका के रोहित यादव ने एशियन गेम्स-2026 में जीता कांस्य पदक, जैवलिन श्रो में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश एवं बरेका का बढ़ाया गौरव

सूत्र/रे.स.ब्यू.बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के अंतरराष्ट्रीय जैवलिन श्रो खिलाड़ी श्री रोहित यादव ने एशियन गेम्स-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीतकर देश एवं बरेका का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से बरेका परिवार में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। श्री रोहित यादव बरेका के इलेक्ट्रिक विभाग में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वे वर्ष 2018 से बरेका में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बरेका में सेवाकाल के साथ-साथ उन्होंने अंतर-राष्ट्रीय स्तर पर

जैवलिन श्रो में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया है। श्री रोहित यादव की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बरेका के महाप्रबंधक श्री आशुतोष पंत, खेल संघ के पदाधिकारियों सहित समस्त बरेका परिवार ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। महाप्रबंधक ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी देश एवं बरेका का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

1. उच्चम अधिकारी-5000 रु. मात्र
2. उच्च अधिकारी-3500 रु. मात्र
3. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
4. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी

जानेंद्र कुमार श्रीवास्तव

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड,

नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कॉप कार्यालय-अनिल केन (रिसेप्टर)

कार्यालय-9439 आर्य नगर

महाकुंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी

जानेंद्र कुमार श्रीवास्तव

दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्स प्रा. लि.

329/255 चक, जौरी रोड इलाहाबाद से मुद्रित

एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,

कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8

मो. 9773946044 / 9793956044

फोन नं. 0532-2418040

कांचरापाड़ा वर्कशॉप में स्वच्छता अभियान, नई तकनीकी सुविधाओं का उद्घाटन



सूत्र/रे.स.ब्यू. स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय ने कांचरापाड़ा वर्कशॉप में श्रमदान किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने स्वच्छता शपथ लेकर रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं स्वच्छतापूर्ण बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के जरिए सामूहिक प्रयास और व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। कांचरापाड़ा वर्कशॉप में एलएचबी इक्विपमेंट टेस्टिंग रूम का

उद्घाटन करते हुए सुश्री गीतिका पांडेय ने आधुनिक रखरखाव व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। नई सुविधा से एलएचबी कोचों के उपकरणों की व्यवस्थित जांच की क्षमता बढ़ेगी, जिससे रखरखाव की गुणवत्ता, उपकरणों की विश्वसनीयता और परिचालन सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। वर्कशॉप में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक प्रेसराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम के लिए सेंटर अफ एक्सीलेंस की शुरुआत से उन्नत कोच स्वच्छता प्रणालियों के क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञता, रखरखाव प्रक्रियाओं

और कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा। इससे आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग के साथ यात्रियों को अधिक सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। फायर एंड स्मोक डिटेक्शन सिस्टम के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना से अग्नि एवं धुआं पहचान प्रणालियों से संबंधित तकनीकी दक्षता और रखरखाव क्षमता को मजबूत किया जाएगा। यह पहल रेल सुरक्षा, विश्वसनीयता और तकनीकी उत्कृष्टता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कांचरापाड़ा वर्कशॉप के नवीनीकृत म्यूजियम एवं आर्ट गैलरी का उद्घाटन कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण रहा। यहां वर्कशॉप की समृद्ध औद्योगिक विरासत के साथ कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी के माध्यम से गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने का प्रयास किया गया है।



भारत गौरव ट्रेन से करें 'दक्षिण दर्शन', इंदौर से 28 नवंबर को होगी खाना

सूत्र/रे.स.ब्यू. भारतीय रेलवे के गलियारों से एक बार फिर भक्ति और संस्कृति की एक अनूठी तस्वीर सामने आने वाली है। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से आगामी 28 नवंबर 2026 को एक ऐसी विशेष यात्रा शुरू होने जा रही है, जो श्रद्धालुओं को सिर्फ एक स्थान से दूसरे स्थान तक नहीं ले जाएगी, बल्कि उन्हें सदियों पुराने भारतीय इतिहास और आध्यात्मिक ऊर्जा से रूबरू कराएगी। मौका है IRCTC की शानदार '02 ज्योतिर्लिंग विद दक्षिण दर्शन' यात्रा का, जिसे 'भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन' के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। यह पूरा दूर पैकेज 12 दिन और 11 रात का है, जिसका शुक्राती खर्च मात्र 21,750/- प्रति व्यक्ति रखा गया है। इस बजट-फ्रेंडली और भव्य यात्रा के जरिए आम श्रद्धालुओं के लिए दक्षिण भारत के सबसे पवित्र और प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों के द्वार खुल गए हैं। इस सफर की सबसे बड़ी खासियत इसके ऐतिहासिक और धार्मिक पड़ाव हैं। ट्रेन जैसे-जैसे दक्षिण की ओर बढ़ेगी, यात्रियों को एक के बाद एक कई चमकरी और भव्य धर्मों के दर्शन का सौभाग्य मिलेगा। इस यात्रा के दौरान यात्रियों को आंध्र प्रदेश में भगवान वेंकटेश्वर और श्री कालहस्ती के दरबार में हाजिरी लगाने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही, तमिलनाडु की पावन भूमि पर रामनाथस्वामी मंदिर के विशाल गलियारों और मदुरै के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की अद्भुत वास्तुकला के दर्शन होंगे। देश के आखिरी छोर कन्याकुमारी पर तीन महासागरों के संगम और वहां के मनमोहक सूर्योदय-सूर्यास्त का अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। अंत में, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक प्रमुख मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग की पावन वंदना के साथ यह यात्रा संपन्न होगी। इस आत्मीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए IRCTC की आधिकारिक वेबसाइट www.irctctourism.com/bharatgaurav पर ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो चुकी है। इसके अलावा, किसी भी प्रकार की जानकारी या त्वरित सहायता के लिए IRCTC के आधिकारिक हेल्पलाइन नंबरों (9321901832, 7021091459, 9321901865, 8287931711, 9321901862) पर संपर्क किया जा सकता है। यदि आप भी इस शानदार धार्मिक सफर का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो अपनी सीट जल्द पक्की करें और दक्षिण दर्शन की इस अविस्मरणीय यात्रा का आनंद लें।



संपादकीय

पटरियों पर स्वच्छता का सफर: मानसिकता, संस्कृति और हमारी जिम्मेदारी

भारतीय रेलवे केवल पटरियों का जाल या परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह इस देश की धड़कन है, जो सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरोती है। इस विशाल नेटवर्क पर सफर करना जितना रोमांचक है, इसकी स्वच्छता को बनाए रखना उतनी ही बड़ी और गहरी सामाजिक चुनौती है। अक्सर हम अपने घरों को तो शीशे की तरह चमकाकर रखते हैं, लेकिन ट्रेन की छिड़की से बाहर कचरा फेंकते समय या बोगी के फर्श को गंदा करते समय हमारी यह सामाजिक चेतना अचानक सो जाती है। यह दोहरा चरित्र हमारी उस मानसिकता को दर्शाता है जहाँ सार्वजनिक संपत्ति को 'अपना' मानने का बोध कहीं न कहीं लुप्त हो जाता है। रेलवे परिसरों और ट्रेनों में साफ-सफाई बनाए रखना केवल कुछ घंटों की झाड़ू-पाँच तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सामूहिक नागरिक संस्कृति का सबसे बड़ा पैमाना है। जब एक यात्री अपनी यात्रा के दौरान प्लास्टिक की बोतलों, खाली रेपर्स और खाद्य अवशेषों को इधर-उधर बिखेरता है, तो वह केवल पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करता, बल्कि अगले यात्री के सम्मानजनक सफर के अधिकार पर भी आघात करता है। इसके विपरीत, यदि हम अपनी यात्रा की शुरुआत से ही अपने बैग में एक छोटा कचरा थैला रखने की आदत डालें और हर कचरे को केवल नियत इरेटबिन में ही डालें, तो यह छोटा सा अनुशासन बड़े बदलाव की नींव रख सकता है। ट्रेनों के शौचालय और व शबेसिन हमारी मानवीय संवेदनाओं और स्वच्छता के प्रति अनुशासन की वास्तविक परीक्षा लेते हैं। इन्हें उपयोग के बाद गंदा छोड़ देना या पानी की बर्बादी करना हमारी सामाजिक असंवेदनशीलता का प्रतीक है। आज समय आ गया है कि हम इस गहरी समस्या को केवल रेलवे प्रशासन या सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी न समझकर अपनी व्यक्तिगत नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करें। 'स्वच्छ रेल' का यह सफर केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हमारी बदलती हुई चेतना और राष्ट्र प्रेम का जीवंत प्रमाण बनना चाहिए, तभी हमारी यात्रा वास्तव में सार्थक हो सकेगी। आइए मिलकर प्रण लें कि रेल और देश को स्वच्छ रखेंगे।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक मुलाकात कर उनकी समस्याएं से कराया अवगत



सूत्र/रे.स.ब्यू. पूर्व मध्य रेल प्रशासन रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री डिम्पी गर्ग ने दिनांक 29.09.2026 को मुख्यालय, हाजीपुर में रेलकर्मियों/उनके आश्रितों से मुलाकात की। इस दौरान रेलकर्मियों ने अपनी विभिन्न विभागीय समस्याओं एवं कठिनाइयों से महाप्रबंधक को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने प्रत्येक रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को सुना और प्राप्त शिकायत के संबंध में अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों को प्राप्त मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शिकायतों का प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रेलकर्मियों की समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए।

हुबल्ली रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पौधरोपण और श्रमदान

सूत्र/रे.स.ब्यू. स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत हुबल्ली में 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री पी. अनंत ने एसएसएस हुबल्ली रेलवे स्टेशन परिसर में पौधरोपण कर स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम में हुबल्ली मंडल की मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती बेला मीना, प्रधान विभागाध्यक्ष, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान पौधरोपण के साथ श्रमदान गतिविधियां भी आयोजित की गईं, जिसमें रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के माध्यम से रेलवे परिसरों को स्वच्छ रखने, हरित क्षेत्र बढ़ाने और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भागीदारी ने स्वच्छ, हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों को रेखांकित किया।



महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर खाद्य स्टॉल का किया निरीक्षण



सूत्र/रे.स.ब्यू. स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर खाद्य स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने

उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके लिए खाद्य स्टॉलों की नियमित निगरानी, साफ-सफाई और निर्धारित मानकों के अनुरूप खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खान-पान से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों एवं स्टॉल संचालकों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के साथ-साथ स्वच्छता मानकों का निरंतर पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को बेहतर एवं सुविधाजनक खान-पान की सुविधा

11वां आयुर्वेद दिवस देश और दुनिया भर में मनाया गया, नागपुर में भव्य राष्ट्रीय समारोह आयोजित किया गया

केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने स्वस्थ जीवनशैली और निवारक स्वास्थ्य देखभाल को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया



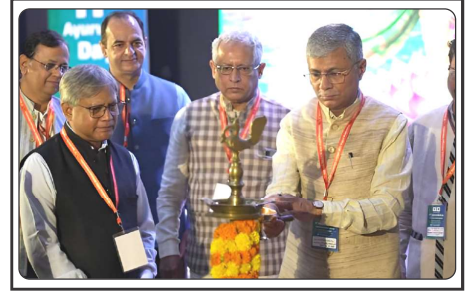
सूत्र/रे.स.ब्यू. 11वां आयुर्वेद दिवस देश और दुनिया भर में उत्साह के साथ मनाया गया। महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित भव्य राष्ट्रीय समारोह का इस वर्ष का विषय "स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद" रहा। कार्यक्रम में आयुष सेवा क्षेत्र पर रिपोर्ट, "आयुष विजन 2030" सहित विभिन्न महत्वपूर्ण रिपोर्ट और दस्तावेज जारी किए गए। साथ ही सीसीआरएस-एजीएनआई वेब पोर्टल का शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य सेवा और जन स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका तथा 2047 तक की कार्ययोजना पर वैज्ञानिक सत्र भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया

गया। उन्होंने कहा कि परंपरा से ज्ञान, साक्ष्य और नवाचार तक आयुर्वेद की यात्रा भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य और कल्याण में योगदान देगी। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की पहचान भारत की सीमाओं से आगे बढ़ चुकी है और आयुष वीजा सुविधा के माध्यम से विदेशी नागरिक भारत में आयुष पद्धतियों के तहत उपचार प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आयुर्वेद से जुड़े संस्थान, विशेषज्ञ और युवा इस समृद्ध परंपरा को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

समारोह का वर्चुअल उद्घाटन केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने किया। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेंचा, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) के महानिदेशक प्रोफेसर (वैद्य) रवीनारायण आचार्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री प्रतापराव जाधव ने आयुर्वेद को भारत के स्वास्थ्य विज्ञान का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, "स्वास्थ्य का पहला केंद्र अस्पताल नहीं, हमारा घर है। स्वास्थ्य का पहला आधार दवा नहीं, हमारी जीवनशैली है।" उन्होंने "स्वस्थस्व स्वास्थ्य रक्षणम्, आतुरस्य विकार प्रशमनम्" के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि आयुर्वेद उपचार के साथ स्वास्थ्य संरक्षण को प्राथमिकता देता है। उन्होंने डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर, आईटीआरएर जामनगर को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता तथा डब्ल्यूएचओ आईसीडी-11 वर्गीकरण में आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा को शामिल किए जाने को पारंपरिक चिकित्सा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

वैज्ञानिक सत्रों के बाद जयपुर स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने उनका सारांश प्रस्तुत किया। पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क के महानियंत्रक प्रोफेसर (डॉ.) उन्नत पी. पंडित ने भारत में आयुष संबंधी आविष्कारों पर रिपोर्ट के संबंध में विचार व्यक्त किए, जबकि आयुष मंत्रालय के सलाहकार (आयुर्वेद) डॉ. ए. रघु ने त्वचा संबंधी विकारों पर मानक उपचार दिशानिर्देशों की जानकारी दी।



आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेंचा ने आयुर्वेद के ज्ञान को वैज्ञानिक साक्ष्य, नवाचार और जन स्वास्थ्य के परिणामों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अनुसंधान, गुणवत्ता, सुरक्षा और मानकीकरण को मजबूत करने तथा आयुर्वेद और अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में गोखरू और चंद्रशूर पर सुरक्षा डोजियर तथा त्वचा विकारों पर मानक उपचार दिशानिर्देश जारी किए गए। विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस) द्वारा तैयार "आयुष सेवा क्षेत्र" पर पहली रिपोर्ट भी जारी की गई। इसके साथ "पारंपरिक ज्ञान से वैश्विक नेतृत्व तक: आयुष विजन 2030", भारत में आयुष से संबंधित आविष्कारों पर स्थिति रिपोर्ट तथा सीसीआरएसएन मूल्यांकन स्कैल वेब पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर चार उपचार उद्योगों को आयुष गुणवत्ता चिह्न प्रमाणन प्रदान किया गया। स्वास्थ्य देखभाल और जन स्वास्थ्य में आयुर्वेद की बदलती भूमिका पर दो वैज्ञानिक सत्र आयोजित हुए, जिनमें आयुर्वेद की भावी दिशा, साक्ष्य निर्माण, 2047 तक स्वास्थ्य संबंधी विज्ञान तथा गैर-संचारी रोगों के बढ़ते बोझ से निपटने में एकीकृत उपचार दृष्टिकोण पर चर्चा हुई।

आयुष भारत के सबसे तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा, आरआईएस अध्ययन के मुताबिक यह 36.92 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है वर्ष 2047 तक आयुष सेवा क्षेत्र के 216-318 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने और विकसित भारत में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में उभरने की आशा

सूत्र/रे.स.ब्यू. विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) के एक नए अध्ययन के अनुसार, आयुष सेवा क्षेत्र भारत के सबसे तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्रों में से एक बनकर उभरा है और इसका वित्त वर्ष 2024-25 में अनुमानित आर्थिक योगदान 36.92 अरब अमेरिकी डॉलर है। वित्त वर्ष 2022-23 से 16.91 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज करते हुए, यह क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा, कल्याण, रोजगार सृजन और चिकित्सा मूल्य यात्रा के माध्यम से भारत की आर्थिक वृद्धि में निरंतर योगदान दे रहा है। अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि आयुष सेवा अर्थव्यवस्था वर्ष 2047 तक 216-318 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है और यह वर्ष 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य में इसके महत्वपूर्ण योगदान की क्षमता को रेखांकित करता है। इस रिपोर्ट को 23 सितंबर को नागपुर में आयोजित 11वां आयुर्वेद दिवस समारोह के दौरान औपचारिक रूप से जारी किया गया।

आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने इस बात पर बल दिया कि ये निष्कर्ष आयुष क्षेत्र की आर्थिक क्षमता को पहचानने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अध्ययन के निष्कर्ष इस बात की पुष्टि करते हैं कि आयुष केवल एक सांस्कृतिक विरासत नहीं है, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का एक गतिशील और उच्च विकास का इंजन है। आयुष क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा, कल्याण, रोजगार और वैश्विक आर्थिक जुड़ाव में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है, साथ ही स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत के हमारे दृष्टिकोण में योगदान दे रहा है।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेंचा ने कहा कि पहली बार, राष्ट्रीय स्तर पर किए गए एक सर्वेक्षण के माध्यम से आयुष सेवा क्षेत्र के आर्थिक योगदान का आकलन किया गया है, जिसमें सभी प्रमुख आयुष प्रणालियों को शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट भविष्य की निवेश, नीति नियोजन और सुधारों के मार्गदर्शन के लिए एक मजबूत साक्ष्य आधार प्रदान करती है। आरआईएस के महानिदेशक प्रोफेसर सचिन कुमार शर्मा ने कहा कि यह अध्ययन भारत की आयुष सेवा अर्थव्यवस्था की साक्ष्य-आधारित समझ विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सभी छह आयुष प्रणालियों के अंतर्गत 15,914 संस्थानों के राष्ट्रीय स्तर पर किए गए सर्वेक्षण के आधार पर, यह निष्कर्ष वैश्विक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की। ये निष्कर्ष भारत की सेवा अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण और तेजी से बढ़ते क्षेत्र के रूप में आयुष सेवाओं के उद्भव को रेखांकित करते हैं, जिसमें संगठित स्वास्थ्य सेवा वितरण, कल्याण सेवाओं, गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे और वैश्विक पहुंच के माध्यम से भविष्य में विस्तार की अपार संभावनाएं हैं।

अध्ययन से पता चलता है कि क्लीनिक और डे-केयर सेंटर आयुष सेवाओं की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हैं, जो मिलकर कुल क्षेत्रीय राजस्व का 71 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बनाते हैं। सिर्फ क्लीनिकों ने ही अनुमानित 16.21 बिलियन अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित किया, जबकि डे-केयर सेंटरों



का योगदान 10.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। आयुर्वेद सबसे बड़ी व्यक्तिगत प्रणाली बनी रही, जिसका हिस्सा 17.73 बिलियन अमेरिकी डॉलर या क्षेत्रीय राजस्व का लगभग 48 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के बढ़ते आर्थिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें योग केंद्र, स्पा और आयुष आधारित सेवाएं प्रदान करने वाले रिसॉर्ट शामिल हैं। इस क्षेत्र में 21.29 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की गई है, जिसमें योग केंद्रों के राजस्व में दो वर्षों में लगभग 75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो निवारक स्वास्थ्य, कल्याण और समग्र देखभाल सेवाओं की बढ़ती मांग को दर्शाती है।

अध्ययन से पता चलता है कि आयुष सेवा क्षेत्र रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनकर उभरा है। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से 17 लाख लोगों की आजीविका का समर्थन करता है, जिसमें से दस लाख से अधिक नौकरियां स्थानीय और स्वतंत्र क्लीनिकों में केंद्रित हैं। आयुष सेवा क्षेत्र में कार्यरत कुल कर्मचारियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत है, और कई संगठित क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत से अधिक है। आयुष आधारित सेवाएं प्रदान करने वाले स्वास्थ्य केंद्रों (स्पा और रिसॉर्ट) में 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं कार्यरत हैं, शैक्षणिक संस्थानों में 58 प्रतिशत, डे केयर सेंटरों में 57 प्रतिशत और अस्पतालों में 53 प्रतिशत महिलाएं कार्यरत हैं।

अध्ययन में मेडिकल वैल्यू ट्रेवल (एमवीटी) में आयुष की बढ़ती क्षमता की ओर भी इशारा किया गया है। वित्त वर्ष 2025 में इस क्षेत्र ने एमवीटी राजस्व में अनुमानित 1.77 बिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया। हालांकि अंतरराष्ट्रीय रोगियों में कुल रोगियों का केवल 5 प्रतिशत है, लेकिन अस्पताल के राजस्व में उनका योगदान अनुमानित 15-25 प्रतिशत है। अध्ययन में यह भी बताया गया है कि पंचमंत्र और आवासीय योग सहित योग के चिकित्सीय कार्यक्रमों के कारण रोगियों का अस्पताल में प्रवास लंबा होता है, जिसकी औसत अवधि 5 से 11 दिन तक होती है।

डिजिटल उपस्थिति और गुणवत्ता मान्यता भी अंतरराष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभर रही हैं। अध्ययन के अनुसार, एक समर्पित कार्यात्मक वेबसाइट वाले प्रतिष्ठानों के अंतरराष्ट्रीय

रोगियों को आकर्षित करने की संभावना 3.6 गुना अधिक होती है, जबकि एनएबीएच या आईएसओ जैसी मान्यता प्राप्त गुणवत्ता मान्यता से यह संभावना दोगुनी हो जाती है।

भविष्य की दृष्टि से, अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि भारत के वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में प्रगति के साथ-साथ इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि की संभावनाएं हैं। बुनियादी ढांचे, गुणवत्ता प्रणालियों, कौशल, डिजिटल क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच को मजबूत करने पर आयुष सेवा अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025 में अनुमानित 36.92 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2047 तक 216 अरब से 318 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है।

इस अध्ययन में आयुष की ज्ञान मूल्य श्रृंखला, उद्यम एवं संस्थागत क्षमताएं, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और चिकित्सा मूल्य यात्रा, तथा डिजिटल प्रौद्योगिकियों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नवाचार जैसे चार स्तंभों के विश्लेषण पर आधारित एक रणनीतिक मार्ग की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इसमें व्यापक गुणवत्ता मान्यता, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड, कार्यबल कौशल विकास, अंतर्राष्ट्रीय तत्परता और उभरती प्रौद्योगिकियों को जिम्मेदारीपूर्वक अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया है।

आयुष सेवा क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2023 से 16.91 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज कीया यह क्षेत्र 1.76 मिलियन लोगों की आजीविका का समर्थन करता है और चिकित्सा मूल्य के क्षेत्र में 1.77 बिलियन अमेरिकी डॉलर राजस्व का सृजन करता है

आयुष मंत्रालय ने विशेष अभियान 6.0 के तहत 3,100 से अधिक लोक शिकायतों का समाधान किया

सूत्र/रे.स.ब्यू. आयुष मंत्रालय ने नवंबर 2025 से अगस्त 2026 तक आयोजित विशेष अभियान 6.0 के सफल कार्यान्वयन के माध्यम से नागरिक-केंद्रित शासन, कुशल प्रशासन और समय पर शिकायत निवारण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। यह अभियान लंबित संदर्भों के निपटारे में तेजी लाने और मंत्रालय और उसके संगठनों में संस्थागत दक्षता को मजबूत करने पर केंद्रित था।

मंत्रालय ने अभियान अवधि के दौरान 3,134 लोक शिकायतों में से 3,100 का निपटारा किया, जिससे लगभग 99 प्रतिशत की निपटान दर हासिल हुई। इसने 461 लोक शिकायत अपीलों में से 454 का भी समाधान किया, जिससे नागरिकों की चिंताओं को समय पर और जिम्मेदार तरीके से दूर करने पर अपना ध्यान केंद्रित करने पर बल मिला।

मंत्रालय ने विभिन्न सरकारी संदर्भों के निपटारे में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। अभियान के दौरान संसद सदस्यों के कुल 70 संदर्भों, 18 संसदीय आश्वासनों, 14 पीएमओ संदर्भों और 3 राज्य सरकार के संदर्भों का निपटारा किया गया।

विशेष अभियान 6.0 के तहत केंद्रित प्रयास उत्तरदायी प्रशासन, संस्थागत जवाबदेही और कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण पर मंत्रालय के निरंतर जोर को दर्शाते हैं। अभियान ने आंतरिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने का अवसर भी प्रदान किया है कि लंबित मामलों को अधिक तत्परता के साथ हल किया जाए।

RITES, NHIDCL collaborate to boost highway & infra projects



Source/RSB- RITES Limited, a leading multidisciplinary engineering and consultancy organization, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with National Highways & Infrastructure Development Corporation Limited (NHIDCL) to provide specialized consultancy and technical support services for the planning, development, construction and maintenance of highway and infrastructure projects across North-East and other strategic areas. Under this agreement, RITES will provide a broad spectrum of consultancy services, including preparation of Detailed Project Reports (DPRs) for highways and tunnels, external technical audits and third-party quality assurance, structural health assessments of bridges and flyovers, technical support unit services, road safety audits, crash investigation and mitigation planning, slope stability studies and design services, along with Authority Engineering services for highway, tunnel, and slope stability projects. The MoU establishes a framework to enhance project planning, engineering excellence, construction quality and safety standards across NHIDCL's infrastructure portfolio. By bringing together NHIDCL's expertise in developing national highways & strategic infrastructure with RITES' extensive experience in transport infrastructure consultancy, the partnership aims at supporting the timely and efficient delivery of critical projects that drive regional connectivity and growth.

CONCOR, APEDA Sign MoU to Strengthen Export Cold Chain Ecosystem

Source/RSB- The Container Corporation of India Limited (CONCOR) has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Agricultural Processed Food Products Export Development Authority (APEDA) to establish a collaborative framework for strengthening the export cold chain ecosystem and promoting efficient logistics solutions for agricultural and processed food exports. APEDA is a statutory authority established under the Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority Act, 1985 (Act No. 2 of 1986), under the Ministry of Commerce & Industry, Government of India. The MoU was signed in New Delhi on September 17, 2026. Shri Abhishek Dev, IAS, Chairman, APEDA, and Shri A.K. Panda, CMD, CONCOR, were present during the signing ceremony.

GM East Coast Railway Leads Swachhata Hi Seva Drive at Cuttack Railway Station

Shri Parmeshwar Funkwal led the cleanliness drive, interacted with passengers and reviewed sanitation arrangements across key areas of the station

Source/RSB- General Manager, East Coast Railway, Shri Parmeshwar Funkwal actively participated in the Swachhata Hi Seva 2026 campaign at Cuttack Railway Station and led the cleanliness drive at the East Side front gate of the station. He encouraged railway officials, staff and passengers to contribute towards maintaining cleanliness across railway premises. During the drive, he interacted with passengers and distributed reusable jute bags as an environment-friendly alternative to plastic and polythene. Passengers were also encouraged to avoid single-use plastic and adopt sustainable alternatives for a cleaner and greener environment. He further appealed to passengers to use dustbins provided at the station and dispose of waste properly instead of littering railway premises. Emphasising that cleanliness is a shared responsibility, he called upon passengers and the public to actively participate in the cleanliness initiatives of Indian Railways. The General Manager also inspected cleanliness and hygiene arrangements at Cuttack Railway Station, covering platforms, waiting halls, toilets, Foot Over Bridges, circulating areas, drinking water points and food stalls. Waste management, drainage and housekeeping arrangements were reviewed, with officials directed to ensure regular cleaning and proper disposal of waste.

RVNL Highlights Digital Leap at 23rd AGM

Source/RSB- Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) highlighted its strategic emphasis on advanced technology integration during its 23rd Annual General Meeting, outlining a comprehensive push to modernize rail infrastructure. To elevate operational safety, improve efficiency, and optimize asset management, the company is actively embedding modern technical systems ranging from Electronic Interlocking and Digital Axle Counters to the European Train Control System (ETCS) and IoT-based diagnostic platforms across its rail networks. This technological integration marks a broader industry evolution, shifting the focus away from traditional infrastructure built solely for physical scale toward intelligent systems capable of real-time performance monitoring and rapid, data-driven decision-making. By merging core engineering capabilities with smart systems, RVNL aims to deliver long-term network reliability and construct future-ready rail infrastructure tailored to the demands of tomorrow.



East Coast Railway's Solar-Powered CCTV Network Delivers 83% Reduction in Crime Incidents

Solar-powered CCTV surveillance brings a significant decline in incidents at vulnerable and sensitive railway locations

Source/RSB- East Coast Railway's initiative to strengthen railway safety and security through solar-powered CCTV surveillance has yielded significant results, with incidents at locations covered by the system declining substantially. A comparison of crime incidents during January to August 2025, before installation of the cameras, and January to August 2026, after installation, shows a marked decline across various categories.

Sabotage or foreign material placement cases fell from 1 to 0, while theft of passenger belongings cases declined from 2 to 0, recording a 100% reduction in both categories. Cable-cutting cases dropped from 10 to 1, stone-pelting cases from 20 to 3, and other crime cases under RP Cases from 9 to 1. Alarm chain-pulling cases also declined sharply from 158 to 29, an 82% reduction.

Overall, the number of reported cases across these categories declined from 200 during January-August 2025 to 34 during January-August 2026, representing an overall reduction of approximately 83% at locations covered by the solar-powered CCTV surveillance system.

The solar-powered CCTV cameras have been strategically installed at vulnerable and sensitive locations, including station areas, level crossings, bridges, isolated stretches of railway track, yards and other critical locations. The systems enable continuous surveillance even at locations where conventional electricity supply may be limited or unavailable.

Real-time monitoring and recorded footage have strengthened the ability of railway officials and security personnel to detect suspicious activities, respond promptly to incidents and support investigations. All the cases reported during the



period after installation of the cameras were detected. Drone surveillance is also being used as a backup to further strengthen monitoring at vulnerable locations.

The significant reduction in incidents demonstrates the preventive and deterrent impact of technology-enabled surveillance in enhancing railway safety and security. The initiative also supports East Coast Railway's continued efforts to adopt solar energy and sustainable technology for strengthening railway infrastructure and security.

The solar-powered CCTV surveillance initiative was conceptualised and executed by East Coast Railway as a pilot project, making it among the first such efforts within Indian Railways. The encouraging results and proven effectiveness of the system have since prompted other railway zones to adopt similar solar-powered surveillance models at their vulnerable and sensitive locations. ECoR's success in this initiative has thus positioned it as a benchmark for technology-driven, sustainable railway security solutions across the network.

IRFC Signs ₹4,200 Crore Deal with DVC to Power Railways' Green Transition



In a significant step towards strengthening India's clean energy ecosystem, the Indian Railway Finance Corporation (IRFC) has signed a ₹4,200 crore term loan agreement with the Damodar Valley

Corporation (DVC) to finance renewable energy projects across Jharkhand and West Bengal. This financing will directly support floating solar, ground-mounted solar, rooftop solar, and Battery Energy Storage System (BESS) projects while contributing to the growing clean energy requirements of the railway ecosystem. Emphasizing the vision behind the collaboration, CMD Shri Manoj Dubey stated that with Indian Railways targeting Net Zero Carbon Emissions by 2030, investments in renewable energy and energy storage will play an increasingly important role in building a sustainable infrastructure ecosystem.

RailTel Celebrates 26th Annual Day in New Delhi, Highlights Digital Transformation in Rail Infrastructure

Source/RSB- RailTel Corporation of India Limited marked its 26th Annual Day with a grand celebration at the Manekshaw Centre in New Delhi. The milestone event was graced by prominent dignitaries, including Shri Satish Kumar, Chairman & CEO of the Railway Board; Shri Vivek Kumar Gupta, Member (Infrastructure), Railway Board; Shri Shailesh Gupta, Additional Member (Telecom), Railway Board; and Shri Rajesh Kumar Pandey, General Manager of Northern Railway, alongside senior officials from the Railway Board, various ministries, and Public Sector Undertakings (PSUs). Delivering the welcome address, RailTel Chairman and Managing Director (CMD) Shri Sanjai Kumar reflected on the organization's remarkable journey over the past two and a half decades and its expanding footprint in India's digital infrastructure landscape.

Addressing the gathering, Shri Vivek Kumar Gupta congratulated Team RailTel on its milestones and outlined upcoming growth opportunities. Shri Satish Kumar lauded RailTel's instrumental contribution to the digital transformation of Indian Railways, emphasizing its strategic capability to drive technology-led advancements in the future.

Recognizing workforce excellence, the event featured an awards ceremony honoring outstanding



individuals and teams for their dedication and exceptional contributions to RailTel's success. The formal proceedings concluded with a Vote of Thanks delivered by Shri V. Rama Manohara Rao, Director (Finance), RailTel, who expressed gratitude to the dignitaries, guests, employees, and stakeholders for their continued support.

The celebrations transitioned into an engaging cultural segment, featuring a soulful Bhajan Jamming session by RailTel employees and their families, a Sufi musical performance led by Shri Manoj Tandon (DPOM, RailTel), a classical Odissi performance by the Odisha-based NGO Adruta, and a Kathak presentation by Mumbai's Kathaki Group. As RailTel steps into its 27th year, the organization reaffirmed its commitment to driving technological innovation, operational excellence, and contributing to the vision of a digitally empowered India.



यूपी का फ्यूचर सेट है



विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार